Indian Railways have offered to share their technical know-how in the railway sector with other developing countries who are planning to develop their respective railway systems. Rail India Technical and Economic Services Ltd. (RITES) and the Indian Railway Construction Company Ltd. (IRCON), two public sector undertakings, have been set up under the Ministry of Railways. the former to provide consultancy services in various spheres of railway technology and management and the latter to undertake the construction of major railway projects abroad. Among the Middle East countries, Iran, Syria and Iraq have, so far made use of these services and offers made to some other countries are pending consideration of the respective Governments.

Modernisation of Loco Workshops

7998. SHRI SURYA NARAYAN SINGH:

SHRI D. AMAT:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that world bank has agreed to provide loan for the modernisation programme for all the Loco Workshops of the Indian Railways; and

(b) if so, total loan for which Bank has agreed to provide loan and terms and conditions thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) and (b). The Workshop Modernisation Project of Indian Railways has been identified as a project for possible World Bank/I.D.A. financing. Negotiations with the World Bank are due to take place in May-June, 1978 when the matter is likely to be finalised.

धनकवाड़ा और जसाली रेलवे स्टेशनों के बीच रेल फाटक संख्या 53 और 54 के बीच नया रेल फाटक

7999. श्री मोतीभाई आर० चौधरी : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पश्चिम रेलवे की पालमपुर–गांधीधाम रेलवे लाइन पर धनकवाड़ा और जसाली रेलवे स्टेशनों के बीच वर्तमान रेल फाटक संख्या 53 और 54 के बीच एक नया रेल फाटक बनाने के लिये ओधा, नरोटा और राइया की जनता की मांग कब से अनिर्णीत है ;

(ख) क्या इन ग्रामों के लोगों को वहां रेल फाटक न होने के कारण काफी परेशानी होती है क्योंकि उन्हें एक या दो किलोमीटर पैदल चलना पडता है ; और

(ग) यदि हा, तो क्या उनकी मांग को शीघ्र पूरा किया जायेगा ?

रेल मंत्रालय मे राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) : (क) वर्तमान समपार सं० 53 और 54 और जसाला और धनकवाडा (पालमपुर गांधी धाम खंड पर) स्टेशनों के बीच एक नये समपार की व्यवस्था करने के लिए ओधा ग्राम निवासियो का एक आवेदन अगस्त 1977 में प्राप्त हुआ था ।

(ख) ग्राम निवासी वर्तमान समपारों को दोनों ओर से सुविधापूर्वक इस्तेमाल कर सकते हैं जो केवल एक किलोमीटर दूर हैं ।

(ग) भारतीय रेल अधिनियम के अनुसार नये समपार की समुची लागत राज्य सरकार/स्थानीय प्राधिकरण द्वारा वहन की जायेगी, रेलवे नये समपार के निर्माण करने पर विचार कर सकती है यदि प्रस्ताव राज्य सरकार / स्थानीय प्राधिकरण द्वारा प्रायोजित किया जाय साथ ही उसकी लागत वहन करने का वचन भी दिया गया हो । ओधा गांव के सरपंच को तदनुसार सूचित कर दिया गया है ।